

सुप्रभात  
रांची, शुक्रवार  
05.07.2024

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

# खबर मन्त्र

\* \* नगर संस्करण | पेज : 12

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित

सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net आषाढ़, कृष्ण पक्ष, ग्रयोदशी-चतुर्दशी, संवत् 2081 मूल्य : ₹ 3 | वर्ष : 11 | अंक : 351 | 12 | सरफिरा का वेडिंग ट्रैक चावत रिलीज



## समस्त झारखण्ड एवं समस्त देशवासियों को



# हल जोड़ा सत्यमेव जयते!



प्रिय झारखण्डवासियों,  
आपके अटूट समर्थन और विश्वास के लिए हम आभारी हैं।  
आपके भरोसे पर खवा उताने का निरंतर प्रयास पूर्व की भाँति जारी  
रहेगा। हम पुनः एक नए युग की शुरुआत कर रहे हैं,  
एक ऐसा युग जहाँ विकास और समावेशिता साथ साथ चलेंगे।

श्री हेमंत सोरेन  
मुख्यमंत्री, झारखण्ड









## हेमंत सरकार

**ज्ञा** रविंद्र मुक्ति मोर्चा (ज्ञामुमो) के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने गुरुवार की शाम वहाँ राजभवन में राज्य के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। झारखंड के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन ने राजभवन में हेमंत सोरेन को पद वर्गीयता की शपथ दिलायी। हेमंत सोरेन के पिता और ज्ञामुमो सीरीज़ सोरेन, उनकी मां रूपी सोरेन, पती कल्पना सोरेन तथा झारखंड मुक्ति मोर्चा की अमृतवाइ बुधवार के बरिष्ठ नेता भी शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित थे। बुधवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले चंपाई सोरेन भी इस अवसर पर मौजूद थे। हेमंत सोरेन को झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा कथित भूमि घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में जमानत दिए जाने के बाद 28 जून को जेल से रिहा कर दिया गया था। प्रवर्तन निवासनलय द्वारा 31 जनवरी को उनकी गिरफतारी से कुछ समय पहले ही उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इसीपाइ दिया था। ज्ञामुमो ने इससे पहले दिन में बताया था कि राज्यपाल राधाकृष्णन ने हेमंत सोरेन को राज्य और बाजार बाजार के लिए आपरिक्रिया किया है और वह मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। ऐसे माना जा रहा है कि राज्य के विधानसभा चुनाव के नवंबर में होने की संभावना के मद्देन नजर हेमंत सोरेन को सीएम पद पर बैठाना आवश्यक था। हेमंत सोरेन के सीएम पद पहले से जहाँ इंडिगेट गठबंधन में एक नया उत्साह आयेगा वहाँ राजग का मोबाल भी टूटेगा। लोकसभा चुनावों में अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन करने के कारण कांग्रेस नीति गठबंधन का आत्मविश्वास चुनाव से कुछ महीने पहले संसद ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए 10 फीसदी अतिरिक्त आरक्षण को मंजूरी दे दी। इसके अलावा राज्य विधानसभा और लोकसभा में भी अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लिए सीटों अतिरिक्त हैं।

## मौसम का कहर

**रा** ज्ञानी में ही जून का औसत तापमान 42 डिग्री से अधिक रहा। दिल्ली में बरसात की पहली बारिश होती है तो आठ दिनका का रिकॉर्ड टूटा जाता है। जल निकासी की व्यवस्था शर्म से पानी-पानी हो जाती है। सड़कों में तैरते वाहन और दरकती इमरतें व्यवस्था खोलती रही है। ऐसे में सवाल उठना साधारित ही है कि कल तक जो दिल्ली प्लाई सी वह अचानक बारिश के पानी में क्यों ढुकती नजर आई? जाहिर बात है कि मौसम की तीव्रता गर्मी, बरसात और सर्दी में साफ नजर आ रही है। लैंकिन हमारी तरफ से इससे मुकाबले के लिये ज्ञामीनी प्रयास न के बराबर हैं। दरअसल हुआ यह है कि बारिश के पानी के निकासी जो प्राकृतिक रास्ते थे, वे कुछ लोगों वे बिल्डरों ने कब्जा लिए हैं। नदियों तक पानी ले जाने वाले ग्रामों व तालाबों पर तापान अवैधता लागू होती है तो संभव है कि वह सन 1993 में सौंच्यन्त्र न्यायालय के नी न्यायीयों वाले पीढ़ी के उस नियंत्रण का उल्लंघन कर दें जिसमें उन्होंने सभी प्रकार के आरक्षण के लिए कुल मिलाकर 50 फीसदी की सीमा तय की थी। फिलहाल 10 फीसदी अतिरिक्त आरक्षण के खिलाफ कई याचिकाएं लैंबित हैं। आर्थिक आधार पर 10 फीसदी आरक्षण को पहले भी तमिलनाडु में 50 फीसदी से अधिक आरक्षण को छुनौती दी है। परिणामस्वरूप अब तक राज्यों में मौजूदा आरक्षण के अतिरिक्त स्थानीय लोगों के लिए आरक्षण के क्रियान्वयन का कानूनी दर्जा अस्पष्ट है। ऐसे आरक्षण के स्तर के पक्ष में दलील यह है कि देश में अधी भी सामाजिक और शैक्षणिक दृष्टि से विचित्रों की तादाद बहुत अधिक है।

निस्संदेह, गर्मीयों के मौसम में अखबारों में छपने वाले तापमान के बढ़ने के आंकड़े डराने वाले हैं। वहाँ सर्दी का समय कम होता जा रहा

है। देश भर में कई याचिकाएं दायर कर 50 फीसदी के ऊपर के आरक्षण को समाप्त करने की मांग की गई है। खासतर पर 8 फरवरी को खबर आई कि सौंच्यन्त्र न्यायालय एक ऐसी याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हो रही है। लोग महसूस कर रहे हैं कि हर साल का जून पहले जून से ज्यादा गर्म होता है।

निस्संदेह, गर्मीयों के मौसम में अखबारों में छपने वाले तापमान के बढ़ने के बराबर हैं। दरअसल हुआ यह है कि बारिश के पानी के निकासी को जो प्राकृतिक रास्ते थे, वे कुछ लोगों वे बिल्डरों ने कब्जा लिए हैं। जो इलाके प्राकृतिक रास्ते में तालाबों पर तापान अवैधता लागू होती है तो भी हमारे साथाधीन कुंभकर्मी नींद में ढूबे हैं। जौसम के जानकार के दशकों में जुन के जो सबसे ज्यादा चार गर्म माह रहे हैं, उनमें तीन पिछले तेह वर्षों में रहे हैं। लोग महसूस कर रहे हैं कि तालाबों में नीतियां बना चुके हैं।

देश भर में कई याचिकाएं दायर कर 50 फीसदी के ऊपर के आरक्षण को समाप्त करने की मांग की गई है। खासतर पर 8 फरवरी को खबर आई कि सौंच्यन्त्र न्यायालय एक ऐसी याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हो रही है। लेकिन हमारे नीति-नियंत्रण सिफर गल बजाने का काम करते रहे हैं। लैंकिन अब जब ग्लोबल वार्मिंग ने हमारे खेत-खलिहानों में दस्तक देकर हमारी खाद्य शूरुखाल को सकट में डालना शुरू कर दिया है तो भी हमारे साथाधीन कुंभकर्मी नींद में ढूबे हैं। जौसम के जानकार नीति-नियंत्रण की तादाद बहुत अधिक है।

निस्संदेह, गर्मीयों के मौसम में अखबारों में छपने वाले तापमान के बढ़ने के आंकड़े डराने वाले हैं। वहाँ सर्दी का समय कम होता जा रहा है।

कठोरपणिदार में ऐसे त्रेय और प्रेय कहा गया है। त्रेय की खोज का नीतिजा स्थायी होता है। यह खोज ही नीचकेता की है। प्रेय के कारण कुछ वर्ष तक राजनीति की तरफ से जैव विवरण इस जगह जीवन का एक दृष्टिकोण पाते हैं।

हममें से ज्यादातर लोग हालांकि इसी तुरंत वाय दियावटी संसार को गढ़ने में लगे रहते हैं। कठोरपणिदार हमें चिरसाथी समाधानों के लिए उकसाता है।

स्थायी समाधान हमारी सोच से पैदा होते हैं। जब कठोकेता को श्राप देने के बाद वाज्रात्रा दुख से उठ नहीं पाए रहे थे, तब बालक नीचकेता ने जो उनसे कहा, वह कठोकने के बालों से ही वर्षों के बालों का वार्षिक दृष्टिकोण भी ज्ञामुमों के लिए बहुत सोचता है।

अपर-घुड़ी है सदा के लिए

क्या है वह दृष्टिकोण? इसका जावाब भी कठोरपणिदार में है। लैंकिन पहले हम इस सच को स्वीकार करना सीखें कि हम सब जम के बाद से ही अपनी काया में कहता है, चुनाव परिणामों से संजीवीय प्राप्त राहुल ने भले ही सम्पूर्ण विषय एक साथ उगल दाला हो लैंकिन उन्होंने भाजपा के तमाम दियाग नेताओं को बार बार प्रतिवाद करने पर मजबूर कर दिया। इतना अधिक उड़ेट किया कि न केवल राजनाथ सिंह, न केवल अमित शाह अन्य प्रधानमंत्री ने नेतृत्व के बालों में चलाया है। लैंकिन दस साल पर होता है तो व्यक्तिगत विधायों में वह 50 फीसदी का स्तर पर कर सकत है। एक अन्य मुद्दा यह है कि किसे क्रीमी लेवर का

पास जा रहा हूँ। यम के पास जाकर वह मूल्य की तरफ से जीवन की ओर देखता है। आपको ध्यान होगा कि नीचकेता ने पहला बरदान ही पिता के पास यानी जीवन में वापसी का मांगा है।

कुंवर नारायण इस जगह जीवन का एक दृष्टिकोण पाते हैं। वह लिखते हैं, हाय्यूलु के विनियन से जीवन के प्रति निराश ही पैदा हो, ऐसा कर्तव्य जैसे जैव विवरण इस जगह जीवन का एक दृष्टिकोण पाते हैं।

ज्ञामुमों के बालों की खोज का नीतिजा स्थायी होता है। यह खोज ही नीचकेता की है। प्रेय के कारण जीवन की तरफ से जीवन की ओर देखता है। आपको ध्यान होगा कि नीचकेता ने जीवन की विजय है।

- निशीकांत दूबे, संसद

कठोरपणिदार की तरफ से जीवन की विजय है।

कठोर-घुड़ी है सदा के लिए

क्या है वह दृष्टिकोण? इसका जावाब भी कठोरपणिदार में है। लैंकिन पहले हम इस सच को स्वीकार करना सीखें कि हम सब जम के बाद से ही अपनी काया में कहता है, चुनाव परिणामों से संजीवीय प्राप्त राहुल ने भले ही सम्पूर्ण विषय एक साथ उगल दाला हो लैंकिन उन्होंने भाजपा के तमाम दियाग नेताओं को बार बार प्रतिवाद करने पर मजबूर कर दिया। इतना अधिक उड़ेट किया कि न केवल राजनाथ सिंह, न केवल अमित शाह अन्य प्रधानमंत्री ने नेतृत्व के बालों में चलाया है। लैंकिन दस साल पर होता है तो व्यक्तिगत विधायों में वह 50 फीसदी का स्तर पर कर सकत है। एक अन्य मुद्दा यह है कि किसे क्रीमी लेवर का

पास जा रहा हूँ। यम के पास जाकर वह मूल्य की तरफ से जीवन की ओर देखता है। आपको ध्यान होगा कि नीचकेता ने पहला बरदान ही पिता के पास यानी जीवन में वापसी का मांगा है।

अपर-घुड़ी है सदा के लिए

क्या है वह दृष्टिकोण? इसका जावाब भी कठोरपणिदार में है। लैंकिन पहले हम इस सच को स्वीकार करना सीखें कि हम सब जम के बाद से ही अपनी काया में कहता है, चुनाव परिणामों से संजीवीय प्राप्त राहुल ने भले ही सम्पूर्ण विषय एक साथ उगल दाला हो लैंकिन उन्होंने भाजपा के तमाम दियाग नेताओं को बार बार प्रतिवाद करने पर मजबूर कर दिया। इतना अधिक उड़ेट किया कि न केवल राजनाथ सिंह, न केवल अमित शाह अन्य प्रधानमंत्री ने नेतृत्व के बालों में चलाया है। लैंकिन दस साल पर होता है तो व्यक्तिगत विधायों में वह 50 फीसदी का स्तर पर कर सकत है। एक अन्य मुद्दा यह है कि किसे क्रीमी लेवर का

पास जा रहा हूँ। यम के पास जाकर वह मूल्य की तरफ से जीवन की ओर देखता है। आपको ध्यान होगा कि नीचकेता













सरफिरा का वेडिंग  
ट्रैक चावत रिलीज

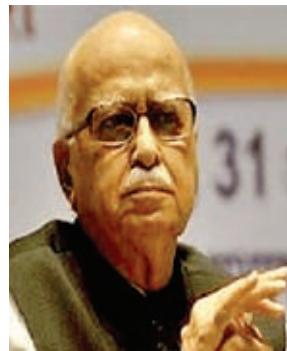


मुंबई। अक्षय कुमार स्टारर बहुप्रतीक्षित फिल्म सरफिरा का लैटर्स बैडिंग ट्रैक चावत रिलीज हो गया है। अक्षय गाने को माझे भुतिंशर शुल्क ने लिया है। जी. वी. प्रकाश कुमार द्वारा रचित इस गीत को श्रेय धोषण ने गया है राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता सुधा कोंगरा के निर्देशन में बनी

सरफिरा रार्ट-अप और परिएशन की पृथक्षीय पर आधारित एक मनोरंजन ड्रामा है। इस फिल्म में अक्षय कुमार और माझे भुतिंशर मादान के साथ परेश रावल और सीमा विहारा जैसे कई बेहतरीन कलाकार हैं। सरफिरा वीर

जगन्नाथ महारे की यात्रा को फोलो करती है जिसे अक्षय कुमार ले कर रहे हैं, जो भारत में हवाई यात्रा में क्रांति लाने के लिए सभी बाधाओं को पार करता है।

**लालकृष्ण आडवाणी को अपेलो अस्पताल से छुट्टी**



नवी दिल्ली। भाजपा के वरिध नेता और पूर्ण अप्रैलमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी को गुरुवार की शाम दिल्ली के अपोलो अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। अस्पताल प्रशासन के अनुसार लाल कृष्ण आडवाणी (96) को गुरुवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनकी हालत रिहर बनी हुई थी। उन्हें कुछ दिनों पहले ही अखिल भारतीय आर्युद्धिज्ञान संस्थान (एस्स) में भर्ती कराया गया था।

**कोटा ने की बिहार कानूनों की आत्महत्या**

जयपुर। कोटा में एक और छात्र ने मौत को गले लगा लिया। कोटा में जेईई की तैयारी कर रहे विहार के सदीयों कुमार ने आत्महत्या कर ली। अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार को संदीप कुमार का शव उसके कमरे में लटका मिला। पीजी में रहने वाले अन्य छात्रों ने खिड़की से शब देखा और तुरत मालिक को सूचित किया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़ा। छात्र विहार के नाम्बर का रहने वाला था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि संदीप कुमार जेईई की तैयारी कर रहा था और पिछले दो साल से कोटा में रह रहा था।